REET

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

LATEST EDITION

2022

1 LEVEL

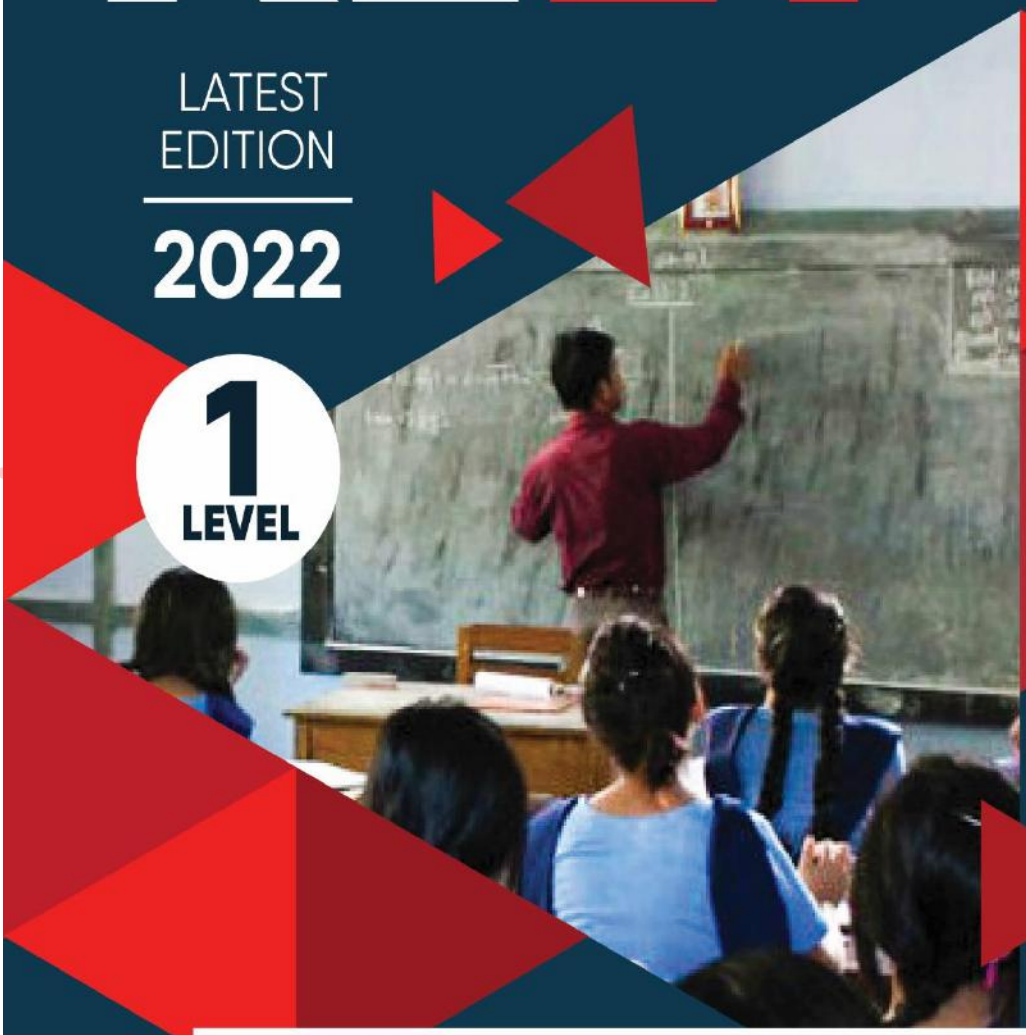

HANDWRITTEN NOTES

राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा

भाग-1 हिंदी (भाषा – I & II)

whatsapp- https://wa.link/7mh1o2 1 website- https://bit.ly/reet-level-1-notes

हिंदी (भाषा – I)

1. एक अपठित गद्यांश में से निम्नलिखित व्याकरण संबंधी प्रश्न : -

- पर्यायवाची, विलोम, वाक्याशों के लिए एक शब्द, शब्दार्थ, शब्द शुद्धि । उपसर्ग, प्रत्यय, संधि और समास । संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण अव्यय

2. एक अपठित गद्यांश में से निम्नलिखित बिंदुओं पर प्रश्न :

- रेखांकित शब्दों का अर्थ स्पष्ट करना, वचन, काल, लिंग ज्ञात करना। दिए गए शब्दों का वचन काल और लिंग बदलना

3. वाक्य रचना, वाक्य के अंग, वाक्य के प्रकार, पदबंध, मुहावरे और लोकोक्तियाँ, विराम चिह्न

4. भाषा की शिक्षण विधि, भाषा शिक्षण के उपागम, भाषा दक्षता का विकास

FREE SAMPLE

5. भाषायी कौशलों का विकास (सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना) हिंदी भाषा शिक्षण में चुनौतियाँ, शिक्षण अधिगम सामग्री, पाठय पुस्तक, बहु- माध्यम एवं शिक्षण के अन्य संसाधन

6. भाषा शिक्षण में मूल्यांकन, उपलब्धि परीक्षण का निर्माण समग्र एवं सतत् मूल्यांकन, उपचारात्मक शिक्षण

हिंदी (भाषा – II)

7. एक अपठित गद्यांश आधारित निम्नलिखित व्याकरण संबंधी प्रश्न:

- युग्म शब्द, वाक्यांशों के लिए एक शब्द, उपसर्ग, प्रत्यय, संधि, समास, संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, लिंग, वचन, काल, शब्द शुद्धि

8. एक अपठित पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित बिंदुओं पर प्रश्न :

भाव सौंदर्य

नाद सौंदर्य

FREE SAMPLE

विचार सौंदर्य जीवन दृष्टि

शिल्प सौंदर्य

9. वाक्य रचना, वाक्य के अंग, वाक्य के भेद, पदबंध, मुहावरे, लोकोक्तियाँ। कारक चिह्न, अव्यय, विराम चिह्न

10. भाषा शिक्षण विधि, भाषा शिक्षण के उपागम, भाषायी दक्षता का विकास

11. भाषायी कौशलों का विकास (सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना) शिक्षण अधिगम सामग्री - पाठ्य पुस्तक, बहु - माध्यम एवं शिक्षण के अन्य संसाधन

12. भाषा शिक्षण में मूल्यांकन, (सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना) उपलब्धि परीक्षण का निर्माण समग्र एवं सतत् मूल्यांकन । उपचारात्मक शिक्षण

FREE SAMPLE

नोट -

प्रिय छात्रों, Infusion Notes (इन्फ्यूजन नोट्स) के राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) LEVEL – I के sample notes आपको पीडीऍफ़ format में "फ्री" में दिए जा रहे हैं और complete Notes आपको Infusion Notes की website या (Amazon/Flipkart) से खरीदने होंगे जो कि आपको hardcopy यानि बुक फॉर्मेट में ही मिलेंगें, या नोट्स खरीदने के लिए हमारे नंबरों पर सीधे कॉल करें (8504091672, 8233195718, 9694804063) । किसी भी व्यक्ति को sample पीडीऍफ़ के लिए भुगतान नहीं करना है । अगर कोई ऐसा कर रहा है तो उसकी शिकायत हमारे Phone नंबर 8233195718, 0141-4045784 पर करें, उसके खिलाफ क़ानूनी कार्यवाई की जाएगी ।

अध्याय – I

अपठित गद्यांश

गद्यांश – I

निम्न गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों में सबसे उचित विकल्प चुनिए :

हम लोग जब हिन्दी की 'सेवा' करने की बात सोचते हैं, तो प्रायः भूल जाते हैं कि यह लाक्षणिक प्रयोग है । हिन्दी की सेवा का अर्थ है उस मानव समाज की सेवा, जिसके विचारों के आदान-प्रदान का माध्यम हिन्दी है। मनुष्य ही बड़ी चीज है, भाषा उसी की सेवा के लिए है । साहित्य सृष्टि का भी यही अर्थ है । जो साहित्य अपने आप के लिए लिखा जाता है उसको क्या कीमत है, मैं नहीं कह सकता, परन्तु जो साहित्य मनुष्य समाज को रोग-शोक, दारिद्र्य, अज्ञान तथा परमुखापेक्षिता से बचाकर उसमें आत्मबल का संचार करता है, वह निश्चय ही अक्षय-निधि है।

- **'परमुखापेक्षिता' का अर्थ है**

(1)दूसरों से आशा रखना
(2)पराया मुख अच्छा लगना
(3)पराये मुख की अपेक्षा करना
(4) ईश्वर का मुख

उत्तर : - (1)

- **कौनसा शब्द स्त्रीलिग नही है ?**

(1)सेवा (2) भाषा

FREE SAMPLE

(3)प्रयोग (4)हिंदी उत्तर : - (3)

- **इस गद्यांश में प्रयुक्त 'अर्थ' शब्द का अर्थ नहीं है**

(1) आशय (2) मतलब

(3) धन (4) अभिप्राय उत्तर : - (3)

- **कौनसा शब्द एकवचन हैं ?**

(1) विचारों (2) भाषाओं

(3) अक्षय (4) मनुष्यों उत्तरः - (3)

- **'कीमत' की बहुवचन है।**

(1) कीमती (2) कीमतों

(3) किमतों (4) किम्मत उत्तर : - (2)

- **'माध्यम' का बहुवचन है ।**

(1)मध्यमा (2) माध्यमिक

(3) मध्यम (4) माध्यमों उत्तर : - (4)

- **'अक्षय - निधि' का अर्थ है।**

(1) बिना क्षय रोग

(2) किसी का नाम

(3) कभी खत्म न होने वाली सम्पत्ति

(4) रोग रहित नहीं उत्तरः - (3)

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

गद्यांश – 2

निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर प्रश्न के उत्तर दीजिए:

भारत अब प्रौढ़ावस्था में आ पहुंचा है। भीषण घात-प्रतिघात से साक्षात्कार करते हुए भी उसने बहुमुखी विकास किया है, इसमें संदेह नहीं । लेकिन उसका एक प्रकोष्ठ अंधकार में अभी भी डूबा हुआ है- हृदय, जो कि मानवीय क्रिया व्यापार का नियन्ता है। इस समय वह स्वार्थपरता और भोगवाद के ऐसे रोग से ग्रसित हो गया है जिसके कारण मानवीय आचरण भी बनैला हो गया है। क्षेत्रवाद, जातिवाद, भाषावाद, सम्प्रदायवाद - प्रभृति विभिषिकाएँ जो आजादी के साथ उपहार में मिली थीं, आए दिन कहीं-न-कहीं अपनी लोमहर्षक लोला सम्पन्न करती रहती हैं। परिणामस्वरूप शिथिल पड़ते अनुशासन के बन्धन, विखण्डित होती श्रद्धा और .....

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8504091672, 8233195718, 9694804063,

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम -

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न	कट ऑफ
RAS PRE. 2021	27 अक्टूबर	74 (98 MARKS)	64 (84.9 M.)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 of 200	117
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्टूबर (1st शिफ्ट)	79 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्टूबर (2nd शिफ्ट)	103 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्टूबर (1st शिफ्ट)	95 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्टूबर (2nd शिफ्ट)	91 of 150	

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 of 100	
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 of 160	
U.P. SI 2021	21 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	89 of 160	

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

- संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063,

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

• पर्यायवाची शब्द

इसे प्रतिशब्द भी कहते हैं । जिन शब्दों के अर्थ में समानता होती है, उन्हें हम पर्यायवाची शब्द अथवा प्रतिशब्द कहते हैं । हिन्दी में तत्सम पर्यायवाची शब्द ही अधिक पाए जाते हैं जो संस्कृत से हिन्दी में आए हैं । हिन्दी में तद्भव पर्यायवाची शब्दों का अभाव है। कुछ प्रमुख पर्यायवाची शब्दों के उदाहरण नीचे दिये जा रहे हैं -

अ)

शब्द	**पर्याय**
अमृत-	पीयूष, सुधा, अमी
अंग-	अवयव, भाग, हिस्सा, अंश, खंड ।
अग्नि-	आग, पावक, अनल, वहिन, हुताशन, कृशानु, वैश्वानर ।
अनी-	सेना, फौज, चमू, कटक, दल।
असुर-	दनुज, दानव, दैत्य, राक्षस, निशिचर, निशाचर, रजनीचर ।
अरण्य-	जंगल, वन, कानन, विपिन ।
अश्व-	घोड़ा, वाजि, हय, घोटक, तुरग ।
अंकुर-	अँखुआ, कोंपल,कल्ला,नवोद्भिद्/
अंचल-	पल्ला, पल्लू, आँचल ।
अंत-	समाप्ति, अवसान, इति, उपसंहार
अंत-	फल, अंजाम. परिणाम. नतीजा ।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

शब्द	पर्याय
अचल-	पर्वत, पहाड़, गिरि, शैल, स्थावर ।
अचला-	पृथ्वी, धरती, धरा, भू, इला, अवनी
अतिथि-	अभ्यागत, मेहमान, पाहुना ।
अधर-	ओंठ, ओष्ठ, लब, रद-पट, होंठ ।
अनंग-	कामदेव, मदन, मनोज, मयन, मन्मथ ।
अनल-	'अग्नि' ।
अनाज-	अन्न, धान्य, शस्य ।
अनिल-	हवा, वायु, पवन, समीर, वात, मरुत् ।
अनुकम्पा-	कृपा, मेहरबानी, दया ।
अन्वेषण-	अनुसन्धान, खोज, शोध, जाँच ।
अपना-	निज, निजी, व्यक्तिगत ।
अपर्णा-	पार्वती, शिवा, उमा, भवानी, भैरवी
अपमान-	तिरस्कार, अनादर, निरादर ।
अप्सरा-	देवांगना, सुरबाला, सुरनारी, सुरकन्या, देवबाला, देवकन्या ।
अबला-	नारी, गृहिणी, महिला, औरत, स्त्री
अभय-	निर्भय, निर्भीक, निड़र, साहसी ।
अभिप्राय-	तात्पर्य, आशय, मंतव्य ।
अभिमान-	गर्व, गौरव, नाज ।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अभिलाषा- इच्छा, कामना, मनोरथ, आकांक्षा

अमर- अक्षय, अनश्वर, अविनाशी, मृत्युंजय ।

अर्चना- प्रार्थना, आराधना, स्तुति, पूजा ।

अर्जुन- पार्थ, धनञ्जय, भारत, कौन्तेय ।

अवनी- देखिए 'अचला' ।

अवस्था- उम्र, वय, आयु । .....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

FREE SAMPLE

संपर्क करें – 8504091672, 8233195718, 9694804063,

• वाक्यांशों के लिए एक शब्द

अच्छी रचना के लिए आवश्यक है कि कम से कम शब्दों में विचार प्रकट किए जाए। और भाषा में यह सुविधा भी होनी चाहिए कि वक्ता या लेखक कम से कम शब्दों में अर्थात् संक्षेप में बोलकर या लिखकर विचार अभिव्यक्त कर सके। कम से कम शब्दों में अधिकाधिक अर्थ को प्रकट करने के लिए 'वाक्यांश या शब्द-समूह के लिए एक शब्द' का विस्तृत ज्ञान होना आवश्यक है। ऐसे शब्दों के प्रयोग से वाक्य-रचना में संक्षिप्तता, सुन्दरता तथा गंभीरता आ जाती है। भाषा में कई शब्दों के स्थान पर एक शब्द बोल कर हम भाषा को प्रभावशाली एवं आकर्षक बनाते हैं।

कुछ वाक्यांशों के लिए एक शब्द –

'अ' से शुरू होने वाले एकल शब्द

- जो सबके आगे रहता हो - अग्रणी
- किसी आदरणीय का स्वागत करने के लिए चलकर कुछ आगे पहुँचना - अगवानी
- जिसकी गहराई या थाह का पता न लग सके - अगाध
- जो गाये जाने योग्य न हो - अगेय
- जो छेदा न जा सके - अछेद्य
- जिसका कोई शत्रु पैदा ही न हुआ हो - अजातशत्रु
- जिसे जीता न जा सके – अजेय
- जिसके खंड या टुकड़े न किये गये हों - अखंडित
- जो खाने योग्य न हो - अखाद्य
- जो गिना ना जा सके - अगणित/अनगिनत
- जिसके अंदर या पास न पहुँचा जा सके - अगम्य
- जिसके पास कुछ भी न हो - अकिंचन

- जिसमें कुछ करने की क्षमता न हो - अक्षम
- जिसका खंडन न किया जा सके - अखंडनीय
- जिसका ज्ञान इन्द्रियों द्वारा न हो - अगोचर
- दूर तक फैलने वाला अत्यधिक नाशक आग - अग्निकांड
- जिसका जन्म पहले हुआ हो - अग्रज
- जो किसी देन या पारिश्रमिक मद्धे पहले से ही सोचे - अग्रिम
- जो अंडे से जन्म लेता है - अंडज
- किसी कथा के अन्तर्गत आने वाली कोई दूसरी कथा - अंतःकथा
- राजभवन के अंदर महिलाओं का निवास - अंतःपुर
- मन में आप से उत्पन्न होने वाली प्रेरणा - अंतःप्रेरणा
- अंक में सोने वाला - अंकशायी
- अंक में स्थान पाया हुआ - अंकस्थ

'आ' से शुरू होने वाले एकल शब्द

- अग्नि से संबधित या आग का - आग्नेय
- पूरे जीवन में - आजीवन
- जिस पर किसी का आतंक छाया हो – आतंकित
- जो बहुत क्रूर स्वभाव वाला हो - आततायी
- जो मृत्यु के समीप हो - आसन्नमृत्यु/मरणासन्न
- बालक से लेकर वृद्ध तक - आबालवृद्ध
- जिसकी भुजाएँ घुटनों तक लम्बी हो - आजानुबाहु
- जो जन्म लेते ही मर जाए - आदण्डपात
- जिसे विश्वास या दिलासा दिलाया गाया हो - आश्वस्त
- आशा से बहुत अधिक - आशातीत

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- वह कवि जो तत्काल कविता कर डालता है - आशुकवि
- जो अपनी हत्या कर लेता है - आत्मघाती
- अपने आप को किसी के हाथ सौंपना या समर्पित करना - आत्मसमर्पण
- दूसरों के (सुख के) लिए अपने सुखों का त्याग - आत्मोत्सर्ग

'इ' व 'ई' से शुरू होने वाले एकल शब्द

किन्हीं घटनाओं का कालक्रम से .....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

FREE SAMPLE

संपर्क करें – 8504091672, 8233195718, 9694804063,

• उपसर्ग

उपसर्ग = उप (समीप) + सर्ग (श्रष्टि करना) का अर्थ है –

(किसी शब्द के समीप आकर नया शब्द बनाना)

- उपसर्ग के कई नाम –आदि प्रत्यय , व्युत्पत्तिमूलक प्रत्यय, रचनात्मक

उपसर्ग की परिभाषा – वे शब्दांश , जो किसी शब्द के आरम्भ में लगकर उनके अर्थ में विशेषता ला देते हैं।

जैसे – परा-पराक्रम , पराजय , पराभव , पराधीन , पराभूत

उपसर्ग	शब्द
अति	अत्यन्त
चिर	चिरायु
सु	सुयोग
अप	अपकीर्ति
प्र	प्रख्यात
वि	विज्ञान
वि	विदेश
उत्	उत्थान
उप	उपकार
निर्	निर्वाह
प्रति	प्रत्युत्पन्नमति
अ	अस्पृश्य
आ	आगमन
नि	निबंध

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

प्रति	प्रतिकूल
अति	अतिचार
अ	अव्यवस्था
परि	परिजन

प्रयोग		उपसर्ग		शब्द
सदाचार	=	सत्	+	आचार
दुराचार	=	दुर्	+	आचार
अध्यक्ष	=	अधि	+	अक्ष
पराजय	=	परा	+	अजय
समादर	=	सम्	+	आदर
अत्युक्ति	=	अत	+	उक्ति
निबंध	=	नि	+	बंध
परिजन	=	परि	+	जन
उनतीस	=	उन	+	तीस
प्रत्युपकार	=	प्रति	+	उप+कार
अनुशासन	=	अनु	+	शासन
प्रख्यात	=	प्र	+	ख्यात
संरक्षण	=	सम्	+	रक्षण
अधखिला	=	अध्	+	खिला
दुकाल	=	दु	+	काल
अत्यधिक	=	अति	+	अधिक
अध्यक्ष	=	अधि	+	अक्ष
उल्लास	=	उत्	+	लास

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

दुर्जन = दुः (दुर्) + जन

दुष्चरित = दुः (दुष्) + चरित्र

निर्भय = निः + भय

संतोष = सम् + तोष

संहार = सम् + हार

अभ्यास = अभि + आस

उपसर्ग	कुछ प्रमुख शब्द
अनु	अनुकरण , अनुगमन, अनुशीलन , अनुसार
उप	उपकार, उपवन, उपनाम , उपभेद , उपनेत्र
नि	निकेत , निष्कपट, नियुक्त , निहत्था , निकम्मा

.....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

संपर्क करें – 8504091672, 8233195718, 9694804063,

• समास

⇒ **समास का शाब्दिक अर्थ** - जोड़ना या मिलाना। अर्थात समास प्रक्रिया में दो या दो से अधिक शब्दों को आपस में मिलाकर एक शब्द बनाया जाता है!

⇒ दो अथवा दो से अधिक शब्दों से मिलकर बने हुए नए सार्थक शब्द को समास कहते हैं।

⇒ **समस्त पद (सामासिक पद)**-समास के नियमों का पालन करते हुए जो शब्द बनता है उसे समास पद या सामासिक,पद कहते हैं।

⇒ समस्त पद के सभी पदों को अलग अलग किए जाने की प्रक्रिया को समास विग्रह कहलाती है।

⇒ समास वह शब्द रचना है जिसमें अर्थ की दृष्टि से परस्पर स्वतंत्र सम्बन्ध रखने वाले दो या दो से अधिक शब्द मिलकर किसी अन्य स्वतंत्र शब्द की रचना करते हैं।

सामासिक शब्द में आए दो पदों में पहले पद को पूर्वपद तथा दूसरे पद को उत्तरपद कहते हैं। ।

जैसे:-

गंगाजल	गंगाजल	- गंगा का जल
(पूर्वपद)	(उत्तरपद)	(समस्त पद) (समास विग्रह)

कम से कम शब्दों में अधिक से अधिक अर्थ को प्रस्तुत कर देना ही समास का प्रमुख उद्देश्य होता है।

FREE SAMPLE

समास के प्रकार Types Of Compound

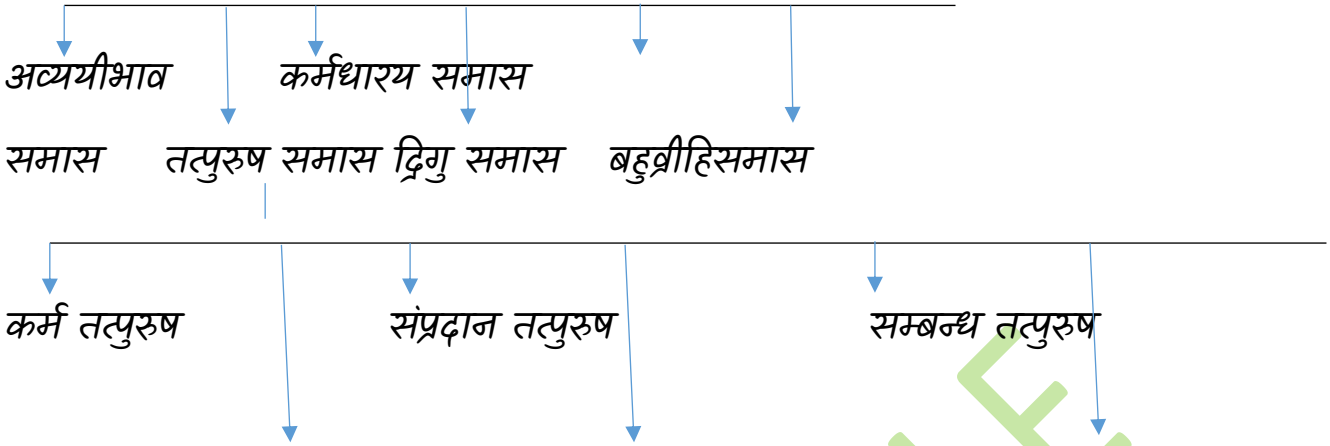

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

पद की प्रधानता के आधार पर समास का वर्गीकरण

(क) पूर्वपद प्रधान –अव्ययीभाव

(ख) उत्तर पद प्रधान - तत्पुरुष, कर्मधारय और द्विगु

(ग) दोनों पद प्रधान-द्वन्द्व

(घ) दोनों पद अप्रधान - बहुव्रीहि (इसमें कोई तीसरा अर्थ प्रधान होता है)

नोटः

भारतीय भाषा में कुछ ऐसे शब्द हैं जिनके रुप में लिंग, वचन के अनुसार परिवर्तन या विकार उत्पन्न नहीं होता है, उन्हें अव्यय शब्द या अविकारी शब्द कहते हैं।

अर्थात ऐसे शब्द जिनका व्यय ना हो, उन्हे अव्यय शब्द कहते हैं।

जैसे –यथा, तथा, यदा, कदा, आ, प्रति , जब, तब, भर, यावत , हर आदि।

(I) अव्ययीभाव समास Adverbial Compound

जिस समास में पहला पद अर्थात पूर्वपद प्रधान तथा अव्यय होता है, उसे अव्ययीभाव समास कहते हैं।

पहचान- सामासिक पद (समस्त पद) मे यथा, आ, अनु, प्रति, भर, तथा, यदा, कदा, जब, तब, यावत, हर आदि शब्द आते हैं।

समस्त पद	-	विग्रह
आजन्म	-	जन्म से लेकर
आमरण	-	मरने तक
आसेतु	-	सेतु तक
आजीवन	-	जीवन भर
अनपढ़	-	बिना पढ़ा
आसमुद्र	-	समुद्र तक
अनुरुप	-	रुपके योग्य
अपादमस्तक	-	पाद से मस्तक तक
यथासंभव	-	जैसा सम्भव हो/जितना सम्भव सके
यथोचित	-	उचित रुप मे/जो उचित हो
यथा विधि	-	विधि के अनुसार

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

यथामति	-	मति के अनुसार
यथाशक्ति	-	शक्ति के अनुसार
यथानियम	-	नियम के अनुसार
यथाशीघ्र	-	जितना शीघ्र हो
यथासमय	-	समय के अनुसार
यथासामर्थ	-	सामर्थ के अनुसार
यथाक्रम	-	क्रम के अनुसार
प्रतिकूल	-	इच्छा के विरुद्ध
प्रतिमाह	-	माह -माह
प्रति दिन	-	दिन - दिन
भरपेट	-	पेट भर के
हाथों हाथ	-	हाथ ही हाथ में/ (एक हाथ से दूसरे हाथ)
परम्परागत	-	परम्परा के अनुसार
थल - थल	-	प्रत्येक स्थान पर
बोटी – बोटी	-	प्रत्येक बोटी
नभ –नभ	-	पूरे नभ में
रंग - रंग	-	प्रत्येक रंग के
मीठा – मीठा	-	बहुत मीठा
चुप्पे –चुप्पे	-	बिल्कुल चुपचाप
आगे- आगे	-	बिल्कुल आगे
गली – गली	-	प्रत्येक गली
दूर - दूर	-	बिल्कुल दूर

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

सुबह - सुबह - बिल्कुल सुबह

एकाएक - एक के बाद एक

दिनभर - पूरे दिन

दो – दो - दोनों दो / प्रत्येक दोनों

रोम- रोम - पूरे रोम मे

नए – नए - बिल्कुल नए

हरे - हरे - बिल्कुल हरे

बारी – बारी - एक एक करके / प्रत्येक करके

बे – मारे - बिना मारे

जगह – जगह - प्रत्येक जगह

मील – भर - पूरे मील

गरमागरम - बहुत गरम

पतली-पतली - बहुत पतली

हफ्ता भर - पूरे हफ्ते

प्रति एक - प्रत्येक

एक - एक - हर एक / प्रत्येक

धीरे – धीरे - बहुत धीरे

अलग-अलग - बिल्कुल अलग

मनचाहे - मन के अनुसार

छोटे – छोटे - बहुत छोटे

भरे - पूरे - पूरा भरा हुआ

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

जानलेवा	-	जान लेने वाली
दूरबीन	-	दूर देखने वाली
सहपाठी	-	साथ पढ़ने वाला/वाली
खुला – खुला	-	बहुत खुला
कोना-कोना	-	सारा कोना
मात्र	-	केवल एक
भरा-भरा	-	बहुत भरा

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

FREE SAMPLE

संपर्क करें – 8504091672, 8233195718, 9694804063,

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न	कट ऑफ
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (98 MARKS)	64 (84.9 M.)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 of 200	117
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 of 150	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 of 100	

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 of 100	
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 of 160	
U.P. SI 2021	21 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	89 of 160	

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063

FREE SAMPLE

• सर्वनाम

सर्वनामः सर्व + नाम

सभी संज्ञा

परिभाषा - वे शब्द जो संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त किए जाते हैं सर्वनाम कहलाते हैं, अर्थात् किसी वाक्य में एक ही शब्द की बार-बार पुनरावृत्ति न हो इसके लिए संज्ञा के स्थान पर जिन शब्दों का प्रयोग किया जाता हैं, सर्वनाम कहलाता हैं ।

जैसे - मितांश जोधपुर रहता हैं, वह वहाँ पढ़ता हैं ।

सर्वनाम के छह भेद होते हैं -

1. पुरुषवाचक सर्वनाम
2. निश्चयवाचक सर्वनाम
3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम
4. सम्बन्ध वाचक सर्वनाम
5. प्रश्नवाचक सर्वनाम
6. निजवाचक सर्वनाम

I. पुरुषवाचक सर्वनामः- जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग बोलने वाले वक्ता, सुनने वाले श्रोता या किसी अन्य के लिए प्रयोग किया जाता हैं, पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं, जैसे

(1) मैं अपने घर पर रहता हूं ।

(2) तुम भी अपने घर जाओ ।

(3) वह अपना कार्य कर रहा हैं ।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

(4) वे सभी अपनी मस्ती में मस्त हैं ।

पुरुषवाचक सर्वनाम के तीन भेद होते हैं -

1. उत्तम पुरुष
2. मध्यम पुरुष
3. अन्य पुरुष

I. उत्तम पुरुषवाचक सर्वनामः- वे सर्वनाम शब्द जिनका प्रयोग बोलने वाला वक्ता/व्यक्ति अपने लिए करता हैं, उत्तम पुरुष वाचक सर्वनाम कहलाते हैं -

जैसे -मैं, मुझे, मेरा, मुझकों, - एकवचन

हम, हमें, हमारा, हमकों - बहुवचन

1. मैं आज अपनी कविता सुनाऊँगा ।
2. मुझे कल जयपुर जाना हैं ।
3. मेरा कोई दोस्त नहीं हैं ।
4. हमें सभी का सम्मान करना चाहिए ।
5. हम कभी झूठ नहीं बोलेंगें ।
6. हमारा पुराना मकान गिर गया ।

2. **मध्यम पुरुष वाचक सर्वनाम** - वे सर्वनाम शब्द जिनका प्रयोग बोलने वाला वक्ता/व्यक्ति सुनने वाले श्रोता/ व्यक्ति के लिए प्रयोग करता हैं, मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम कहलाते हैं, जैसे -

जैसे - तू, तूझे, तेरा, तुझकों, तुम, आप ।

1. तू यहाँ क्या कर रहा हैं ?
2. तुम कहाँ जा रहे हों ?

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

3. तुझे कोई बुला रहा हैं ।

4. आप यहाँ क्या कर रहे हो ?

3. अन्य पुरुषवाचक सर्वनामः- वे सर्वनाम शब्द जिनका प्रयोग बोलने वाला वक्ता और सुनने वाला श्रोता किसी अन्य व्यक्ति के लिए प्रयोग करते हैं, अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।

जैसे - यह, वह, ये, वे, आप ।

1. यह मेरा भाई हैं ।

2. वह तुम्हारी बिल्ली हैं ।

3. ये मेरे पुराने मित्र हैं ।

4. वे तुम्हारी गायें हैं ।

5. पटेल जी लौह पुरुष कहलाते हैं ।

6. आप देश की एकता के सूत्रधार हैं ।

2. निश्चयवाचक सर्वनामः- वे सर्वनाम शब्द जो किसी निश्चित वस्तु का बोध कराते हैं, निश्चय वाचक सर्वनाम कहलाते हैं ।

जैसे - यह, वह, ये, वे

1. यह मेरी पुस्तक हैं ।

2. वह तुम्हारी कुर्सी हैं ।

3. ये हमारी अलमारियाँ हैं ।

4. वे तुम्हारी घड़ियाँ हैं ।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

3. अनिश्चयवाचक सर्वनामः- वे सर्वनाम शब्द जो किसी अनिश्चित व्यक्ति या वस्तु के लिए प्रयुक्त किए जाते हैं ।

जैसे - कोई, कुछ, किसी ।

1. बाहर कोई खड़ा है ।
2. अंदर कुछ पड़ा है ।
3. यहाँ कोई आ रहा है ।
4. चाय में कुछ गिरा है ।
5. किसी ने उसे मारा है ।
6. यह किसी का पेन है।

4. **सम्बन्धवाचक सर्वनामः-** वे सर्वनाम शब्द जो किसी संज्ञा या सर्वनाम उपवाक्यों के बीच सम्बन्ध का बोध कराते हैं, सम्बन्ध वाचक सर्वनाम कहलाते हैं ।

जैसे - जिसकी - उसकी, जैसी-वैसी, जो-सो/वह, जितना-उतना ।

1. जिसकी लाठी उसकी भैंस ।
2. जैसी करनी वैसी .....

FREE SAMPLE

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी

राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I *की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8504091672, 8233195718, 9694804063,

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अध्याय – 2

अपठित

गद्यांश – I

निम्न गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों में सबसे उचित विकल्प चुनिए:

कोई भी समाज शून्य में जीवित नहीं रह सकता। उसे अपने लोगों, अपने पशुओं, अपनी जमीन, अपने पेड़-पौधों, अपने कुएँ, अपने तालाबों, अपने खेतों के लिए कोई-न-कोई ऐसी व्यवस्था बनानी पड़ती है, जो समयसिद्ध और स्वयंसिद्ध हो । काल के किसी खण्ड विशेष में समाज के सभी सदस्यों के साथ मिल ऽ-जुलकर, पाल-पोसकर बड़ा करते हैं और मजबूत बनाते हैं। अपने ऊपर खुद लगाया हुआ यह अनुशासन एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को सौंपा जाता है।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- **निम्न में तत्सम शब्द हैं**

(a) जमीन (b) शून्य

(c) खुद (d) मजबूत उत्तरः- (B)

- **निम्न में विदेशी शब्द हैं –**

(A) पेड़ (B) खण्ड

(C) तालाब (D) खुद उत्तरः - (D)

- **जमीन का पर्यायवाची नहीं है –**

(A) पृथ्वी (B) धरती

(C) विरुप (D) धरणी उत्तर : - (C)

गद्यांश – 2

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्न के उत्तर दीजिए:

कुसुम शाम को मंदिर में दर्शन करते हुए घर गई। वह देर तक गीत गाती रही। उसे समय का पता ही न था । आधी रात बीत गई। उसने सितार बजाई । फिर भी उसका मन न लगा। उसने टहलना शुरू किया, रात किसी तरह कटी । सुबह उसकी आँखें नींद से बोझिल हो रही थीं। वह देर तक सोती रही। माँ ने आकर जगाया और कलेवा करने के लिए कहा। जैसे तैसे वह उठी, नहाई और साइकिल से कॉलेज के लिए चली। कॉलेज में उसकी सखी ने घी के परोठे खिलाये । कुसुम के संगीत प्रेम की कॉलेज में छात्र ही नहीं, परिवार में मामा, चाचा, नाना और भाई-बहन भी प्रशंसा करते हैं।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- **इनमें से कौन सा शब्द स्त्रीलिंग नहीं है ?**

  (A) शाम (B) रात

  (C) कलेवा (D) आँखें उत्तर :- (C)

- **'कुसुम शाम को घर गई। इस वाक्य में कौन सा काल है ?**

  (A) सामान्य भूत

  (B) आसन्न भूत

  (C) पूर्ण भूत

  (D) संदिग्ध भूत उत्तर:- (A)

- **कारक चिह्न के प्रयोग के बावजूद इनमें से किस शब्द का बहुवचन नहीं बनता ?**

(A) घी (B) गीत

(C) घर (D) सखी उत्तरः- (A)

- **इनमें से किस शब्द का लिंग नहीं बदलता ?**

(A) चाचा (B) छात्र

(C) साइकिल (D) मामा उत्तरः - (C)

- **इनमें से कौन – सा शब्द सदैव बहुवचन में प्रयुक्त होता है ?**

(A) दर्शन (B) मन

(C) परांठा (D) सितार उत्तरः- (A)

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

गद्यांश – 3

निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर प्रश्न के उत्तर दीजिएः-

"शिक्षा' बहुत व्यापक शब्द है। उसमें सीखने योग्य अनेक विषयों का समावेश हो सकता है। पढ़ना-लिखना भी उसी के अंतर्गत है। इस देश की वर्तमान शिक्षा प्रणाली अच्छी नहीं। इस कारण यदि कोई स्त्रियों को पढ़ाना अनर्थकारी .....

नोट – *प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको* ***राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I*** *के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये* ***हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें*** *, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I*** *की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8504091672, 8233195718, 9694804063,

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न	कट ऑफ
RAS PRE. 2021	27 अक्टूबर	74 (98 MARKS)	64 (84.9 M.)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 of 200	117

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 of 150	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 of 100	
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 of 160	
U.P. SI 2021	21 नवम्बर 2021	89 of 160	

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

	I[st] शिफ्ट		

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें /

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

• वचन

वचन की परिभाषा :- शब्द का वह रूप जिसमे उसका एक अथवा अनेक होने का बोध होता है। वचन कहा जाता हैं । जिन शब्दों के माध्यम से संख्या की प्रतीति होती है , वहां वचन माना जाता है। वचन का अर्थ है बोली तथा कथन।

जैसे- (1) राम के पास एक पुस्तक है ।

(2) राम के पास बहुत सी पुस्तकें हैं।

" शब्दों से संख्या का बोध कराना ही वचन हैं।"

वचन के दो भेद हैं -

1 एकवचन , 2 बहुवचन ।

एकवचन – शब्द के जिस रूप से एक वस्तु या व्यक्ति का बोध होता है , उसे वचन कहते हैं। जैसे – मेज , कुर्सी , राम , नदी , पर्वत आदि।

बहुवचन – जिन शब्दों से बहुत सी वस्तुओं का बोध होता है , उसे बहुवचन कहा जाता है – कुर्सियां , पक्षियों , जानवरों , लड़कों आदि।

वचन की पहचान कैसे करें

1 वचन की पहचान संज्ञा अथवा सर्वनाम के द्वारा

एकवचन	बहुवचन

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

1. मैं विद्यालय जाता हूँ।	1. हम विद्यालय जाते हैं।
2. वह खेलता है।	2. वे खेलते हैं।
3. भैंस चारा खा रही हैं।	3. भैंसें चारा खा रही हैं।
4. वह गाँव जा रहा है।	4. वे गाँव जा रहे हैं।
5. वह दौड़ रहा है।	5. वे दौड़ रहे हैं।

2 क्रिया के द्वारा वचन की पहचान करना।

एकवचन	बहुवचन
बालक भाग रहा है।	बालक भाग रहे हैं।
शेर सो रहा है।	शेर सो रहे हैं।
लड़का गाना गा रहा है।	लड़के गाना गा रहे हैं।
कबूतर उड़ रहा है।	कबूतर उड़ रहे हैं।
हिरण भाग रहा है।	हिरण भाग रहे हैं।

3 एकवचन के बदले बहुवचन का प्रयोग

(क) आदर के लिए भी बहुवचन का प्रयोग होता है जैसे –

FREE SAMPLE

- हनुमान जी राम के प्रिय भक्त थे।
- श्री कृष्णा दयालु थे।
- भीष्म पितामह ब्रह्मचारी थे।
- महाराणा प्रताप सच्चे वीर थे।
- राम मर्यादा पुरुषोत्तम थे।

(ख) बड़प्पन के लिए भी कई बार **वे , हम** आदि शब्दों का प्रयोग किया जाता है जैसे –

- वे लोग कल मंत्री जी से मिलने जायेंगे।
- वे लोग कल मेला देखने जायेंगे।
- मंत्री जी ने कहा कल हम आपकी समस्या को सुनेंगे।
- वे लोग कल दिल्ली जाएंगे।
- कल दादा जी से मुलाकात हुई वह अत्यधिक प्रसन्न हुए।

कर्ताकारक – शब्द के जिस रुप से क्रिया के करने का बोध हो उसे कर्ता कारक कहते हैं , इसका चिन्ह **'ने'** है। ने चिन्ह कभी नहीं लगता है तो कभी लगता है।

कर्मकारक – इससे क्रिया के फल भोगने का बोध होता है इसकी विभक्ति **'को'** है।

करण कारक – जिसके द्वारा क्रिया पूरी की जाती है उस संज्ञा को करण कारक कहते हैं।

संप्रदान कारक – जिसके लिए क्रिया की जाती है उसे संप्रदान कारक कहते हैं इसकी विभक्ति **को , के , लिए** है।

अपादान कारक – जहां से कोई वस्तु अलग हो उसे अपादान कारक कहते हैं।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

संबंध कारक – *संज्ञा या सर्वनाम के जिस रुप से एक वस्तु का दूसरी वस्तु के साथ संबंध ज्ञात हो उसे संबंध कारक कहते हैं। इसका चिन्ह – का , की , के , ना , नी , ने , स , व , रे , हैं।*

अधिकरण कारक – *संज्ञा के जिस रूप से आधार प्रकट होता है उसे अधिकरण कारक कहते हैं इसकी विभक्ति ' **मे** ' पर है।*

संबोधन कारक – *संज्ञा के जिस रुप से किसी को संबोधित किया जाता है वह संबोधन कारक कहलाता है जिसका चिन्ह – **'हे' , 'रे'** हैं।*

बहुवचन बनाने का सरल नियम

अकारांत में पुल्लिंग ' आ ' को ' ए ' कर दिया जाए

एकवचन	***बहुवचन***
लड़का	*लड़के*
रुपया	*रुपए*
कौआ	*कौए*
कुत्ता	*कुत्ते*
गधा	*गधे*
तरबूजा	*तरबूजे*

इकारांत को ईकारांत करके ' याँ ' जोड़ने पर .....

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – *प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको* ***राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I*** *के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये* ***हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें*** *, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I*** *की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8504091672, 8233195718, 9694804063,

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

• काल

"काल का अर्थ हैं समय या मौत"

परिभाषाः- "क्रिया के जिस रूप से उसके समय के होने की पूर्णता या अपूर्णता का बोध हो तो उसे काल कहते हैं।"

काल के भेद - 03

- भूतकाल -06
- वर्तमान काल - 05
- भविष्य काल – 03

• भूतकाल

:- जिस क्रिया से उसके बीते हुये समय के होने की पूर्णता या अपूर्णता का बोध हो तो वह भूतकाल कहलाता हैं

(1) सामान्य भूत व उसकी पहचानः- धातु में या/यी/ये/ई/आ अथवा चुका/चुकी/चुके आदि ।

उदाहरण -

- राम खाना खा चुका ।
- रीना लखनऊ से लौट आयी ।
- अमेरिका ने हिरोशिमा पर बम गिराया ।
- वंशिका खाना खा चुकी ।

(2) आसन्न भूतकाल व उसकी पहचानः-

धातु में या हैं / यी हैं / ये हैं / चुका हैं / चुकी हैं/ चुके हैं / आदि ।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

उदाहरण -

- श्याम खाना खा चुका है ।
- हम सब 68500 से बाहर हो चुके हैं ।

(3) अपूर्ण भूतकाल व उसकी पहचानः-

धातु में रहा था / रही थी / रहे थे

उदाहरणः-

- मोहन स्कूल जा रहा था ।
- मीरा किताब पढ़ रही थी ।
- हम सब खेल रहे थें ।

पूर्ण भूतकाल व उसकी पहचानः-

धातु में या था / यी थी / ये थे / चुका था / चुकी थी / चुके थे आदि ।

उदाहरणः-

- राम किताब पढ़ चुका था ।
- मोहन नागिन डाँस कर चुका था ।

(5) संदिग्ध भूतकाल व उसकी पहचानः-

धातु में आ होगा / या होगा / यी होगी / ये होंगे / अथवा चुका होगा / चुकी होगी / चुके होंगे

उदाहरणः-

- वह खाना खा चुका होगा ।
- वह आया होगा ।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- उसने खाना खाया होगा ।

(6) हेतु मद भूतकाल व उसकी पहचानः- यहाँ पर एक काम दूसरे पर निर्भर करता हैं ।

उदाहरणः-

- यदि कठिन परिश्रम करते तो पास हो जाते ।
- अगर वर्षा होती तो अच्छी फसल होती ।
- अगर तुम साथ होतीं तो मैं खुश होता ।

वर्तमान काल

परिभाषाः- वह क्रिया जिसका आरम्भ हो चुका है लेकिन समाप्त नहीं हुई है तो उसे वर्तमान काल कहते हैं ।

- वर्तमान काल के भेद - 05
- मुख्य रूप से भेद - 03
- सामान्य वर्तमान काल एवं उसकी पहचान

  धातु में ता हैं/ ती है / ते है / ता हूं

  उदाहरणः-

- मैं खाना खाता हूं ।
- वह गाना गाता हैं ।
- तुम किताब पढ़ते हो ।

- **तात्कालिक या अपूर्ण वर्तमान कालः-** धातु में रहा हैं / रही है / रहे हैं / रहा हूं

  उदाहरणः-

- सीता गाना गा रही हैं ।
- दुष्यन्त नहा रहा हैं । .....

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – *प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको* ***राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I*** *के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये* ***हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें*** *, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I*** *की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8504091672, 8233195718, 9694804063,

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

• विराम-चिह्न

विराम शब्द का शाब्दिक अर्थ होता है ठहराव। एक व्यक्ति अपनी बात कहने के लिए उसे समझाने के लिए, किसी कथन पर बल देने के लिए आश्चर्य आदि भावों की अभिव्यक्ति के लिए, कहीं कम समय के लिए तो कहीं अधिक समय के लिए ठहरता है। भाषा के लिखित रूप में उक्त ठहरने के स्थान पर जो निश्चित संकेत चिह्न लगाए जाते हैं उन्हें विराम चिह्न कहते हैं।

विराम चिह्न के प्रयोग से भाषा में स्पष्टता आती है और भाव समझने में सुविधा होती है। यदि विराम चिह्नों का भी उचित प्रयोग न किया जाये तो अर्थ का अनर्थ भी हो सकता है। उदाहरणार्थ

(i) रोको, मत जाने दो। (ii) रोको मत, जाने दो।

उक्त उदाहरण से स्पष्ट है कि विराम चिह्न के प्रयोग की भिन्नता से अर्थ परिवर्तन हो जाता है।

हिन्दी में निम्न विराम चिह्न प्रयुक्त होते हैं :

1. अल्प विराम ,
2. अर्द्ध विराम ;
3. अपूर्ण विराम :
4. पूर्ण विराम ।
5. प्रश्न सूचक चिह्न ?
6. सम्बोधन चिह्न !
7. विस्मय सूचक चिह्न !

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

8. अवतरण चिह्न/उद्धरण चिह्न/ उपरिविराम –

(i) इकहरा ' (ii) दुहरा "

9. योजक चिह्न / समासचिह्न -

10. निदेशक ---------

11. विवरण चिह्न :--------

12. हंसपद/विस्मरण चिह्न ^

13. संक्षेपण/लाघव चिह्न 0

14. तुल्यता सूचक/समता सूचक =

15. कोष्ठक () {} []

16. लोप चिह्न .....

17. इतिश्री/समाप्ति सूचक चिह्न -0- -- --

18. विकल्प चिह्न /

19. पुनरुक्ति चिह “ ”

20. संकेत चिह *

1. अल्पविराम (,)

(i) वाक्य के भीतर एक ही प्रकार के शब्दों को अलग करने में राम ने आम, अमरुद, केले आदि खरीदे।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

(ii) वाक्य के उपवाक्यों को अलग करने में

हवा चली, पानी बरसा और ओले गिरे।

(iii) दो उपवाक्यों के बीच संयोजक का प्रयोग न किये जाने पर

अब्दुल ने सोचा, अच्छा हुआ जो मैं नहीं गया।

(iv) वाक्य के मध्य क्रिया विशेषण या विशेषण उपवाक्य आने पर।

यह बात, यदि सच पूछो तो, मैं भूल ही गया था।

(v) उद्धरण चिह्न के पूर्व भी।

उसने कहा, "मैं तुम्हें नहीं जानता।"

(vi) समय सूचक शब्दों को अलग करने में -

कल गुरुवार, 20 मार्च से परीक्षाएँ .....

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8504091672, 8233195718, 9694804063,

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम -

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न	कट ऑफ
RAS PRE. 2021	27 अक्टूबर	74 (98 MARKS)	64 (84.9 M.)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 of 200	117
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्टूबर (1st शिफ्ट)	79 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्टूबर (2nd शिफ्ट)	103 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्टूबर (1st शिफ्ट)	95 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्टूबर (2nd शिफ्ट)	91 of 150	

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 of 100	
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 of 160	
U.P. SI 2021	21 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	89 of 160	

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें - 8233195718, 8504091672, 9694804063

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO FREE SAMPLE

अध्याय – 4

- **भाषा शिक्षण, भाषा शिक्षण के उपागम, भाषायी दक्षता का विकास**

शिक्षण विधियाँ :-

शिक्षण एक उद्देश्यपूर्ण प्रक्रिया है जिसका क्रियान्वयन पूर्व में निर्धारित उद्देश्यों को पाने के लिए किया जाता है। शिक्षक पूर्व में निर्धारित किए गए उद्देश्यों की अधिकतम प्राप्ति के लिए व अपनी विषय - वस्तु की प्रदर्शन को अधिक से अधिक प्रभावी बनाने के लिए शिक्षण विधियों का प्रयोग करता है।

इस प्रकार शिक्षण विधियाँ शिक्षण-अधिगम की प्रक्रिया को शक्तिशाली बनाने वाले साधन है- जॉन डीवी के अनुसार "शिक्षण पद्धति वह विधि है जिसके द्वारा इस पठन सामग्री को व्यवस्थित करके परिणाम को प्राप्त करते है । '

वैस्ले ने कहा की "शिक्षण पद्धति शिक्षक द्वारा संचालित वह क्रिया है जिससे विद्यार्थियों को बोध व ज्ञान की प्राप्ति होती है । "

शिक्षण के संदर्भ में डेविस के कथन भी महत्वपूर्ण है- "विद्यार्थियों के कक्ष में जाने से पहले तैयारी कर लेनी चाहिए, क्योंकि शिक्षक की समृद्धि हेतु कोई बात इतनी बाधक नहीं है जितनी की शिक्षण की अपूर्ण तैयारी । "

एलन जैक्सन – एक शिक्षक को अपने जिम्मेदारी को निभाने हेतु विभिन्न प्रकार की शिक्षण गतिविधियों को अपने विद्यार्थियों के साथ मिलकर सम्पन्न करनी होती हैं इन गतिविधियों को सम्पन्न करने के लिए विधिवत नियोजन तथा कार्यान्वयन सम्बन्धी उचित

FREE SAMPLE

प्रक्रियों से गुजरना होता है। यह सब करने के लिए शिक्षक को अपने शिक्षण कार्य को कुछ निश्चित सोपानों या अवस्थाओं में व्यवस्थित करके आगे बढ़ाना होता है।

शिक्षण की एलन जैक्सन ने निम्न तीन अवस्थाएँ बताई है

1. शिक्षण पूर्व अवस्था - तैयारी या नियोजन की अवस्था
2. शिक्षणगत अवस्था- क्रियान्वयन या शिक्षण की अवस्था
3. शिक्षण उपरान्त अवस्था- पूनरावृत्ति या मूल्यांकन की अवस्था

भाषा शिक्षण की विधियाँ

भाषा शिक्षण एक अत्यन्त चुनौतीपूर्ण क्रिया है लेकिन उसके साथ – साथ यह आनंददायी क्रिया भी है। भाषा सीखने के मनोवैज्ञानिक चरण इस प्रकार है -

1. जिज्ञासा
2. प्रयत्न या तत्परता
3. अनुकरण
4. अभ्यास

शिक्षण में 'विधियाँ' शब्द का उपयोग पढ़ाने की उन प्रक्रियाओं के लिए किया जाता है जिनकी सफलतापूर्ण समाप्ति के परिणामस्वरूप विद्यार्थी कुछ सीखता है या जिनके कारण शिक्षण प्रभावशाली होता है। 'विधियाँ' शिक्षक की अनेकों प्रक्रियाओं का एक समूह है। 'विधियाँ' क्रिया नहीं एक प्रक्रिया है।

श्रीमती एस. के. कोचर ने अपनी पुस्तक 'मेथड्स एण्ड टेकनीक्स ऑफ टीचिंग' में शिक्षण- विधियों के महत्व की अत्यन्त उत्तम व्याख्या की है। वे अपने लेखन में लिखती हैं," जिस प्रकार एक सैनिक को युद्ध के विभिन्न हथियारों का ज्ञान होना आवश्यक है उसी प्रकार एक शिक्षक को भी शिक्षण की विभिन्न विधियों का ज्ञान होना आवश्यक है। किस समय कौन सी विधि का प्रयोग किया जाए, यह उनकी निर्णय शक्ति पर निर्भर है। " इस प्रकार शिक्षण में शिक्षण विधियों का अत्यधिक महत्व है शिक्षण विधियों का ज्ञान सभी

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

शिक्षकों को होना आवश्यक है। शिक्षण विधियों शिक्षा के उद्देश्यों तथा मूल्यों से घनिष्ठ रूप से सम्बन्धित हैं और शिक्षा प्राप्त करने में सहायक होती है ।

उत्तम शिक्षण विधि की विशेषताएँ -

शिक्षण - कला में उपयोग में लायी जाने वाली उत्तम विधि में निम्न विशेषताएँ होती है -

- विधियाँ ऐसी हों जो विद्यार्थी को विषय - वस्तु के प्रति प्रेरित करे ।
- विधियाँ ऐसी हों जो विद्यार्थियों को शिक्षा का सक्रिय सदस्य बनाए । विधियों में आवश्यक स्थानों पर विद्यार्थी द्वारा सम्पादन करने के लिए पर्याप्त क्रियाओं का होना आवश्यक है ।
- विधियाँ सुनिश्चित एवं उपयोग करने योग्य हो ।
- उत्तम विधियाँ कलात्मक व व्यक्तिगत होती हैं। वे शिक्षक को वांछित एवं अवांछित का ज्ञान कराती हैं ।
- उत्तम विधियाँ विद्यार्थियों में वांछित बदलाव लाती हैं और उनमें अच्छी आदतों एवं बातों का निर्माण करती हैं ।
- उत्तम-शिक्षण विधियाँ वे हैं जो पूर्व - निर्धारित उद्देश्यों की प्राप्ति में सहायक हो । शिक्षण विधि, शिक्षण उद्देश्यों की प्राप्ति में सहायक होनी चाहिए।
- शिक्षण विधि छात्रों में वैज्ञानिक परिपेक्ष्य उत्पन्न करने वाली तथा वैज्ञानिक विधि से कार्य करने का प्रशिक्षण देने वाली हो ।
- शिक्षण विधि मनोवैज्ञानिक सिद्धान्तों का पालन करने वाली हो अर्थात् छात्र की योग्यता, स्तर, , रुचि तथा आवश्यकताओं की पूर्ति करने वाली हो ।
- सजीव वातावरण बनाने में सहायता करता हो जो विद्यार्थियों को अन्त : क्रिया के अधिकतम अवसर देने वाली व उत्साहवर्धन वाली हो ।
- करके सीखने के सिद्धान्त अर्थात् क्रियाशीलता पर आधारित होनी चाहिए।
- कम से कम समय लेने वाली तथा प्रभावी हो ।

FREE SAMPLE

- शिक्षण विधि में व्यावहारिकता होनी चाहिए अर्थात् उसे सरलता से उपयोग में लिया जा सके। शिक्षण विधि को गतिशीलपूर्ण होना चाहिए न कि स्थिर।
- वह विद्यार्थियों में मानसिक गुणों के साथ - साथ शारीरिक, सामाजिक व संवेगात्मक गुणों का विकास करने वाली अर्थात् सर्वांगीण विकास के अवसर देनी वाली हो।
- विधि शिक्षण सहायक सामग्रियों के माध्यम से सरल व स्पष्टता लाने वाली हो जिससे शिक्षक व विद्यार्थी दोनों ईमानदारी व आत्मविश्वास से शिक्षण प्रक्रिया में भाग लें तथा यह विद्यार्थियों को रटने से विधियाँ ऐसी हों करने वाली हो।
- उत्तम विधियाँ विद्यार्थियों में मानसिक तर्क, निर्णय तथा विश्लेषण-शक्ति का विकास करती हैं तथा व्यक्तिगत विभिन्नताओं को पूर्ण मान्यता प्रदान करती हैं।

अनुकरण विधि

सामान्यतः अनुकरण विधि का प्रयोग लिखित अनुकरण, उच्चारण अनुकरण एवं रचना अनुकरण के रूप में किया जाता है।

➢ लिखित अनुकरण :- जब छात्र के द्वारा शिक्षक के द्वारा लिखित कार्यों का अनुकरण किया जाता है, उसे लिखित अनुकरण कहा जाता है, जिसके निम्न प्रकार हैं :

1. रूप-रेखा अनुकरण :- इसके अन्तर्गत शिक्षक के द्वारा अक्षरों व वर्णों को लिखा जाता है, जिनका अनुकरण करते हुए छात्र उन्हीं आकृतियों पर पेन, पेंसिल घुमाता है। इसके लिए मुद्रित अभ्यास पुस्तिकाओं का प्रयोग भी किया जा सकता है।

2. स्वतंत्र अनुकरण :- इसके अन्तर्गत शिक्षक के द्वारा श्यामपट्ट या अभ्यास पुस्तिका पर अक्षर लिखे जाते हैं जिनको वैसा ही अनुकरण या लिखने को छात्र से कहा जाता है।

➢ उच्चारण अनुकरण :- इसके अन्तर्गत शिक्षक ध्वनिपूर्ण या मौखिक रूप से कुछ शब्दों का उच्चारण करता है, जिनका अनुकरण करते हुए छात्र भी वैसा ही उच्चारण करता है।

रचना अनुकरण :- इसके अन्तर्गत रचना को जिस भाषा व शैली में प्रस्तुत (नाटक, पद्य व गद्य) करते हैं, छात्र उस रचना पर .....

FREE SAMPLE

नोट – *प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको* ***राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I*** *के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये* ***हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें*** *, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I*** *की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8504091672, 8233195718, 9694804063,

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- **वाचन शिक्षण विधियाँ**

शिक्षा-जगत् में वाचन की शिक्षा के लिए अनेक विधियाँ प्रचलित हैं, विधि ।
"जिनमें से निम्नलिखित मुख्य हैं :

1. देखो और कहो विधि ।
2. अक्षर-बोध विधि ।
3. ध्वनि साम्य विधि।
4. अनुध्वनि विधि।
5. भाषा शिक्षण की यन्त्र - विधि ।
6. समवेत पाठ विधि ।
7. संगति विधि।

1. देखो और कहो विधि : इस विधि में एक पूरा शब्द श्यामपट्ट पर लिख दिया जाता है और अक्षरों की पहचान के स्थान पर शब्द के स्वरूप की पहचान कराई जाती है। इस प्रणाली का सबसे बड़ा दोष यह है कि अव्यवहृत शब्दों के रूप और प्रयोग में धोखा हो जाता । एक तो शब्दों की संख्या अपरिमित होती है : कहाँ तक उसका परिचय कराया जाए। दूसरी बात यह कि थोड़ी-सी सावधानी से 'मर्म का धर्म अथवा 'धर्म का धर्म पढ़ा जा सकता । अतः यह विधि त्याज्य है।

2. अक्षर-बोध विधि : इसमें वर्णमाला के अक्षरों का क्रम उच्चारण के स्थानानुसार सन्जित है। जब वर्ण पहचान लिया जाता है तो छात्र को शब्द दे दिया जाता है; जैसेः क, म, ल अक्षरों से मिलकर 'कमल' शब्द । इस विधि में इस प्रकार ऐसा अभ्यास कराया जाए कि छात्र की दृष्टि परिधि सध जाए। अक्षर का स्वरूप उसे स्थिर न करना पड़े, वरन् देखते ही शब्द का स्वरूप उसकी दृष्टि पकड़ ले।

FREE SAMPLE

3. **ध्वनि-साम्य विधि :** इसमें एक समान उच्चरित होने वाले शब्द एक साथ सिखाए जाते हैं, जैसेः श्रम, क्रम, भ्रम आदि। इनमें जान-बूझकर बालकों को ऐसे शब्द सीखने पड़ते हैं, जिनको वह अपने व्यवहार में नहीं पाते। जैसे चर्म, कर्म, गर्म, वर्म .....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

संपर्क करें – 8504091672, 8233195718, 9694804063,

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न	कट ऑफ
RAS PRE. 2021	27 अक्टूबर	74 (98 MARKS)	64 (84.9 M.)

राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 of 200	117
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 of 150	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 of 100	

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 of 100	
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 of 160	
U.P. SI 2021	21 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	89 of 160	

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063

FREE SAMPLE

- ***हिंदी भाषा शिक्षण में चुनौतिया :-***

शिक्षण में चुनौतियों या समस्याओं से अभिप्राय शिक्षण की उन मूलभूत समस्याओं से है, जो शिक्षण के लक्ष्यों की प्राप्ति को बाधित करती है । हिन्दी शिक्षण की समस्याएँ (चुनौतियाँ) निम्न हैं

हिन्दी भाषा के योग्य एवं अनुभवी शिक्षकों का अभाव ।
भाषायी अध्यापकों को भाषा शिक्षणशास्त्र एवं बल विकास सम्बन्धी सिद्धान्तों का ज्ञान ना होना ।
भाषायी अध्यापकों में नवाचारों एवं विषय के प्रति सकारात्मक न होना ।
विषय सम्बन्धी अद्यतन, नवाचारिक, उपयोगी पाठ्यक्रमों का अभाव।
विषय के प्रति अध्यापक एवं शिक्षार्थियों का उदासीन होना।
भाषा शिक्षण हेतु परम्परागत विधियों एवं साधनों का प्रयोग करना ।
हिन्दी भाषा एवं पाठ्यक्रम का व्यवसायिकरण न होना।

शिक्षण -

शिक्षण एक उद्देश्यपूर्ण प्रक्रिया है जिसमें पूर्व निर्धारित उद्देश्यों की अधिकतम प्राप्ति के लिए शिक्षक, शिक्षार्थी एवं पाठयक्रम के मध्य से अन्तःक्रिया होती है। इस प्रकार शिक्षण एक त्रिमुखी प्रक्रिया है जिसके शिक्षक, शिक्षार्थी एवं पाठयक्रम तीन चर होते है, जिनका कार्य निदान, उपचार एवं मूल्यांकन होता है।
शिक्षण एक उद्देश्यपूर्ण प्रक्रिया है जिसमें शिक्षक एवं शिक्षार्थी के मध्य पाठ्यक्रम के संदर्भ में अन्तः क्रिया होती है जिसे विद्वानों ने इस प्रकार परिभाषित किया है ।
"शिक्षण वह प्रक्रिया है, जिसमें अधिक परिपक्व व्यक्तित्व कम विकसित व्यक्तित्व के संपर्क में आता है और कम विकसित व्यक्तित्व की अग्रिम शिक्षा हेतु परिपक्व व्यक्तित्व व्यवस्था करता है" - एच.सी.

"शिक्षण प्रक्रियाओं में पारस्परिक प्रभावों को सम्मिलित किया जाता है, जिसमें दूसरों की व्यवहारिक क्षमताओं के विकास का लक्ष्य होता है" - एन.एल. गेज

शिक्षण विधि के आधार के रूप में प्रसिद्ध दार्शनिक विद्वान जॉन डीवी ने अनुभवों को महत्वपूर्ण माना है,

"किसी भाषा को पढ़ने और लिखने की अपेक्षा बोलना सीखना सबसे छोटी पगडंडी को पार करना है" - किटसन

शिक्षण की प्रकृति

शिक्षण की प्रकृति को कथन स्पष्ट करते हैं →

शिक्षण एक उद्देश्यप्रद तथा सतत् प्रक्रिया है।

शिक्षण एक विकासात्मक प्रक्रिया है।

शिक्षण एक त्रिध्रुवीय प्रक्रिया है।

शिक्षण औपचारिक एवं अनौपचारिक प्रक्रिया है।

शिक्षण एक निर्देशनात्मक प्रक्रिया है।

शिक्षण एक प्रत्यक्ष प्रक्रिया है।

शिक्षण एक अंतप्रक्रिया है।

शिक्षण एक सामाजिक तथा व्यावसायिक प्रक्रिया है।

शिक्षण कला तथा विज्ञान दोनों है।

शिक्षण एक उपचार विधि है।

शिक्षण एक तार्किक क्रिया है।

शिक्षण को प्रभावित करने वाले तत्व -

शिक्षण को प्रभावित करने वाले कारक निम्न हैं

छात्रों का मानसिक एवं शारीरिक स्तर।

छात्रों की व्यक्तिगत विभिन्नताएँ ।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अध्यापक का व्यक्तित्व एवं संप्रेषण कौशल।

विषयवस्तु की प्रकृति ।

शिक्षण के साधन

शिक्षण प्रक्रिया का नियोजनात्मक प्रारूप ।

कक्षा व विद्यालय का भौतिक वातावरण ।

शिक्षण की विधियाँ एवं व्यूह रचनाएँ ।

शिक्षण के सिध्दांत : -

शिक्षक को शिक्षण करते समय निम्नांकित सिद्धांतों को प्रमुख रूप से ध्यान में रखना चाहिए

जीवन से संबंध स्थापित करने का सिद्धांत - इस सिद्धांत का अर्थ है कि विषयवस्तु का छात्रों के वास्तविक जीवन से संबंध स्थापित किया जाये। जब उनके पर्यावरणों से विषयवस्तु का संबंध स्थापित कर दिया .....

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8504091672, 8233195718, 9694804063,

अध्याय – 6

. भाषा शिक्षण में मूल्यांकन

बालक के व्यक्तित्व के सभी पक्षों के विकास – स्तर का सही – सही मूल्य आँकने के लिए शिक्षाविदों नए एक नवीन उपागम को अपनाया है, जिसे "मूल्यांकन" की संज्ञा दी गई है।

मूल्यांकन –

मूल्यांकन एक सतत चलने वाली व् उद्देश्यप्रद प्रक्रिया है जिसकी प्रकृति सुधारात्मक होती है। मूल्यांकन के द्वारा विद्यार्थी के सन्दर्भ में शैक्षिक परिणामों एवं प्रगति की जाँच की जाती है। इसके द्वारा शैक्षिक परिस्थितियों तथा इसमें प्रयोग की जाने विधियों एवं साधनों की उपादेयता की जाँच की जाती है।

परिभाषा –

ब्लूम की अनुसार – "मूल्यांकन योग्यता नियंत्रण की व्यवस्था है जिसमें शिक्षण एवं अधिगम प्रक्रिया की प्रभावशीलता की जाँच होती है।

कोठारी आयोग के अनुसार – मूल्यांकन एक सतत प्रक्रिया है जो शिक्षा का अभिन्न अंग है तथा शिक्षण उद्देश्यों के साथ घनिष्ठ संबंध है।

मूल्यांकन के प्रकार –

शिक्षा व्यापार को व्यापक सन्दर्भ में रखकर उसके तीन निश्चित चरण माने जाते जा सकते है : पाठपूर्व, पाठप्रक्रिया और पाठपश्च और तदनुरूप भाषा शिक्षण के सन्दर्भ में नियोजित विभिन्न प्रकार के मूल्यांकन को भी वर्गीकृत किया जाता है।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

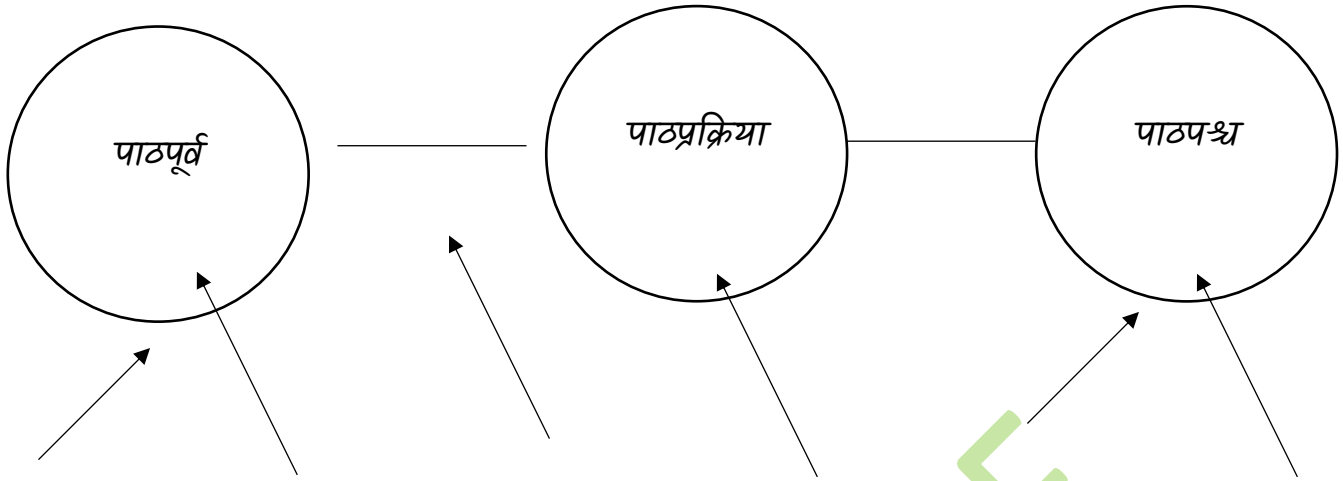

प्रवेश उपलब्धि मूल्यांकन मूल्यांकन

अभिक्षमता दक्षता मूल्यांकन मूल्यांकन

वर्गनिर्धारण मूल्यांकन मूल्यांकन

निदानात्मक मूल्यांकन मूल्यांकन

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

मूल्यांकन की विशेषताएँ -

मूल्यांकन शिक्षा के निर्धारित उद्देश्यों की प्राप्ति की दृष्टि से महत्वपूर्ण होता है, इसके माध्यम से यह ज्ञात किया जाता है कि उद्देश्यों की प्राप्ति किस मात्र में हुई है। मूल्यांकन की विशेषताएँ निम्न होती है।

I. **क्रमबद्धता**

मूल्यांकन कार्यक्रम में क्रमिकता या क्रमबद्धता का विशेष महत्व है। मूल्यांकन में क्रमिकता न होने पर शिक्षार्थी या कार्यकर्ता को अपनी प्रगति के बारे में अन्त तक कोई सूचना नहीं मिल पाती है। अतः इसके अभाव में शिक्षार्थी में कार्य के प्रति त्रुटिपूर्ण अभिव्यक्ति विकसित हो सकती है, वह त्रुटिपूर्ण कार्यविधि अपना सकता है तथा गलत निष्कर्ष निकाल सकता है।

मूल्यांकन कार्य के क्रम में निश्चितता का होना भी आवश्यक है। जिस प्रकार पाठ्यक्रम के उद्देश्यों में पूर्व संबंध होता है तथा जिस प्रकार उन्हें महत्त्व के क्रम में व्यवस्थित किया जाता है, उसी प्रकार का क्रम उनकी जांच में भी रहना चाहिए। उदाहरणार्थ, यदि संकल्प नाव को तथ्यों से अधिक महत्वपूर्ण माना गया है, तो मूल्यांकन कार्य में भी महत्त्व के उसी क्रम को बनाए रखना चाहिए।

वस्तुनिष्ठता

एक उत्तम परीक्षा का वस्तुनिष्ठ होना अति आवश्यक है। वस्तुनिष्ठता का अर्थ यह है कि मूल्यांकन में व्यक्तिगत पक्षों का प्रभाव नहीं होना चाहिए। स्पष्ट है कि ज्ञानात्मक क्षेत्र में मूल्यांकन में वस्तुनिष्ठता भावात्मक क्षेत्र की तुलना में अधिक होगी। ज्ञानात्मक क्षेत्र में यह उच्च स्तर की अपेक्षा निम्न स्तर पर अधिक वस्तुनिष्ठ होगा।

इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि जटिल अधिगम प्रक्रिया के मापन के लिए जब तक संतोषजनक परिभाषाएं विकसित नहीं हो पाती तब तक पर्याप्त सीमा तक हमें विशेषज्ञों द्वारा किए गए मूल्यांकन पर ही निर्भर रहना होगा। यहां पर यह बात भी महत्वपूर्ण है कि आत्मनिष्ठता और वस्तुनिष्ठता में परस्पर उतना विरोध नहीं है जितना प्रायः समझा जाता है।

यह दोनों वास्तव में एक ही सीढ़ी के दो पद हैं। अतः लक्ष्य यह होना चाहिए कि मूल्यांकन के उपकरणों को यथासंभव अधिक से अधिक वस्तुनिष्ठ बनाया जाए। इसके साथ ही इस बात पर भी ध्यान रखने की आवश्यकता होती है कि किसी मूल्यांकन कार्य को उससे अधिक वस्तुनिष्ठ न मान लिया जाए। जितना कि वह वास्तव में है।

3. विश्वसनीयता

एक अच्छा मूल्यांकन विश्वसनीय भी होना चाहिए। इसका तात्पर्य यह है कि बार-बार तथा अनेक लोगों द्वारा मूल्यांकन किए जाने पर भी उसके निष्कर्षों में कोई अंतर नहीं आए। अतः स्पष्ट है कि विश्वसनियता के लिए वस्तुनिष्ठता एक पूर्व आवश्यकता है। इसलिए निबंधात्मक परीक्षा की अपेक्षा वस्तुनिष्ठ परीक्षा अधिक विश्वसनीय होती है।

वैधता

एक उत्तम परीक्षण का वैध होना भी आवश्यक है। वैधता से तात्पर्य परीक्षण की सार्थकता से है अर्थात परीक्षण जिस मापन के लिए बनाया गया है, उसे ही उसका .....

नोट – *प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको* ***राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I*** *के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये* ***हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें*** *, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I*** *की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

संपर्क करें – 8504091672, 8233195718, 9694804063,

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न	कट ऑफ
RAS PRE. 2021	27 अक्टूबर	74 (98 MARKS)	64 (84.9 M.)

राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 of 200	117
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 of 150	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 of 100	

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 of 160	
U.P. SI 2021	21 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	89 of 160	

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

FREE SAMPLE

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063

हिंदी (भाषा – II)

अध्याय – 7

- **अपठित गद्यांश**

गद्यांश- I

निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

गांधी जी अपने सहयोगियों को श्रम को गरिमा को सीख दिया करते थे । दक्षिण अफ्रीका में भारतीय लोगों के लिए संघ, करते हुए उन्होंने सफाई करने जैसे कार्य को गरिमामय मानते हुए किया । बाबा आम्टे ने समाज द्वारा तिरस्कृत कुष्ठ रोगियों की सेवा में अपना समस्त जीवन समर्पित कर दिया । इनमें से किसी ने भी कोई सत्ता प्राप्त नहीं की, बल्कि अपने जनकल्याणकारी कार्यों से लोगों के दिलों पर शासन किया । गाँधीजी का स्वतंत्रता के लिए संघर्ष उनके जीवन का एक पहलू है; किन्तु उनका मानसिक क्षितिज वास्तव में एक राष्ट्र की सीमाओं से बँधा हुआ नहीं था । उन्होंने सभी लोगों में ईश्वर के दर्शन किए । वे सही अर्थों में नायक थे ।

- **'जहाँ धरती और आकाश मिलते हुए दिखाई देते हैं' वाक्यांश के लिए एक शब्द है–**

(1) विपिन (2) पारावार

(3) महानद (4) क्षितिज उत्तर : - (4)

- **'उन्होंने सभी लोगों में ईश्वर के दर्शन किए' वाक्य में रेखांकित शब्द है ।**

(1) सर्वनाम (2) भाववाचक संज्ञा

(3) जातिवाचक संज्ञा (4) व्यक्तिवाचक संज्ञा उत्तरः - (3)

- **उन्होंने अपने जनकल्याणकारी कार्यों सी लोगों के दिलों पर शासन किया।' दिए गए वाक्य में काल है**

(1) आसन्न भूतकाल

(2) संदिग्ध भूतकाल

(3) सामान्य भूतकाल

(4) पूर्णकाल उत्तरः- (4)

- **'तिरस्कृत' शब्द का संधि – विच्छेद होगा –**

(1) तिरस् + कृत

(2) तिरस्कृ + त

(3) तिर + कृत

(4) तिरः + कृत उत्तर : - (4)

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

गद्यांश- 2

प्रश्न के उत्तर निम्न गद्यांश के आधार पर दीजिए -

फ्रांस के प्रसिद्ध दार्शनिक रोमा रोलां ने कहा था कि पूर्व में एक भयंकर आग लगी है, जो कि वहाँ के अंधविश्वास एवं कुरीतियों .....

नोट – *प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको* ***राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I*** *के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये* ***हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें*** *, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I*** *की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8504091672, 8233195718, 9694804063,

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

• युग्म शब्द

कुछ शब्द ऐसे होते हैं जिनका उच्चारण एक समान होता है, लेकिन उनके अर्थ में भेद होता हैं । इन्हें श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द अथवा युग्म शब्द अथवा सोच्चारिप्राय भिन्नार्थक शब्द कहते हैं। इनके उदाहरण

शब्द	अर्थ
1. अम्ब	माता, आम अंबु, अंभ जल
2. अंत्य	नीच, अंतिम, अंत, समाप्ति
3. अंश	हिस्सा अंस , कंधा
4. अँगना	आँगन, अंगना, स्त्री
5. अंधकारी	शिव अंधकारी भैरव राग के एक स्त्री
6. अंबुज	कमल अंबुधि , सागर
7. अविराम	लगातारअभिराम , सुन्दर
8. अनल	आग अनिल हवा
9. अणु	कण अनु पीछे
10. अन्न	अनाज
11. अशन	भोजन आसन ,बैठने की वस्तु

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

12.अवध्य	जो वध के योग्य
	न हो अवंध निन्दनीय
13.अवदान	निर्मल, सफेद
	उदात्त ऊँचा
14.आवृत्ति	बेकारी आवृत्ति , दुहराना
15.अपेक्षा	इच्छा, तुलना में, उपेक्षा निरादर
16.अपथ्य	जो बीमार के
	अनुकूल न हो
	अपत्य संतान

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8504091672, 8233195718, 9694804063,

• क्रिया

परिभाषाः- जिस शब्द से किसी काम का होना, करना, पाया जाये वह क्रिया कहलाती हैं ।

नोटः- धातु को मूलतः क्रिया के मूल रूप को कहा जाता है अर्थात् क्रिया के मूलरूप को धातु कहते हैं ।

क्रिया का निर्माणः- धातु में "ना" प्रत्यय जोड़ने से क्रिया बनती हैं ।

धातु	प्रत्यय	क्रिया
चल	ना	चलना
पढ़	ना	पढ़ना
हंस	ना	हंसना
रो	ना	रोना

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

क्रिया के भेद या प्रकार - (02)

क्रिया दो प्रकार की होती है या रचना या बनावट के आधार पर क्रिया दो प्रकार की होती हैं ।

- **सकर्मक क्रिया**
- **अकर्मक क्रिया**
- **सकर्मक क्रियाः-** जिस क्रिया में कर्म हो या कर्म के होने की संभावना हो और क्रिया का प्रभाव या पाल सीधे कर्म पर पड़े तो या कर्म की संभावना पर पड़े तो वह सकर्मक क्रिया कहलाती हैं ।

  उदाहरणः- राम फल खाता है ।

  राम गाना गाता है ।

राम पत्र लिखता है ।

- **अकर्मक क्रियाः-** जिस क्रिया में कर्म न हो या क्रिया का फल या प्रभाव सीधे कर्ता पर पड़े तो उसे अकर्मक क्रिया कहते हैं ।

Trick:- अगर काम खुद पर हो तो अकर्मक होगी

उदाहरणः- हंसना, जागना, रोना, सोना, नाचना, ओढ़ना, पिसना आदि ।

क्रिया के अन्य भेद या प्रकार

- पूर्वकालिक क्रिया
- द्विकर्मक क्रिया
- संयुक्त क्रिया
- प्रेरणार्थक क्रिया
- सहायक क्रिया

पूर्वकालिक क्रियाः- जब कर्ता एक क्रिया को समाप्त करके दूसरी क्रिया प्रारम्भ .....

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी

राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I *की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8504091672, 8233195718, 9694804063,

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अध्याय – 8

• अपठित पद्यांश

पद्यांश – 1

कविता की पंक्तियाँ पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों में सबसे उचित विकल्प चुनिए :-

"यह सच है तो अब लौट चलो तुम घर को ।"

चौंके सब सुनकर अटल कैकेयी-स्वरको ।

सबने रानी की ओर अचानक देखा,

वैधव्य-तुषारावृत्त यथा विधु-लेखा ।

बैठी थी अचल तथापि असंख्य तरंगा,

वह सिंही अब थी हहा! गोमुखी गंगा ।

"हाँ, जनकर भी मैंने न भरत को जाना,

सब सुन लें, तुमने स्वयं अभी यह माना ।

यह सच है तो फिर लौट चलो घर भैया,

अपराधिन मैं हूँ तात, तुम्हारी मैया ।

दुर्बलता का ही चिह्न विशेष शपथ है,

पर, अबलाजन के लिए कौन-सा पथ है ?

यदि मैं उकसाई गई, भरत से होऊँ,

तो पति समान ही स्वयं पुत्र भी खोऊँ ।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- **'यदि मैं उकसाई गई, भरत से होऊँ, तो पति समान ही स्वयं पुत्र भी खोऊँ ।' यहाँ कैकेयी है -**

(1) आश्रय विभाव

(2) आलम्बन विभाव

(3) उद्दीपन विभाव

(4) उक्त कोई नहीं उत्तर : - (1)

व्याख्या- यहाँ करुण रस का विधान है। करुण रस का स्थायी भाव विषाद होता है। जिस व्यक्ति के मन में रस के स्थायी भाव- निर्वेद, घृणा, भय, रति, विषाद आदि जाग्रत होते हैं, उसे आश्रय विभाव कहते हैं। प्रस्तुत पंक्ति में कैकेयी के मन में विषाद का भाव जाग्रत हुआ है। इसलिए कैकेयी आश्रय विभाव है।

- **भाव-शिल्प की दृष्टि से किस पंक्ति में भाव संधि है ?**

(1) यह सच है तो अब लौट चलो तुम घर को ।

(2) वह सिंही अब थी, हहा! गौमुखी गंगा ।

(3) अपराधिन मैं हूँ तात तुम्हारी मैया ।

(4) तो पति समान ही स्वयं पुत्र भी खोऊँ उत्तर : - (2)

व्याख्या- जहाँ समान चमत्कार वाले दो भावों का वर्णन एक साथ किया जाता है, वहाँ भाव संधि होती है। यहाँ 'वह सिंही अब थी, हहा!' में करुण विधान होने के कारण 'विषाद' का भाव है तथा 'गौमुखी गंगा' में शांत रस का विधान होने के कारण 'निवेद' का भाव है। अतः 'विषाद' एवं 'निर्वेद' दो भावों के एक साथ आने के कारण .....

FREE SAMPLE

नोट – *प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको* ***राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I*** *के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये* ***हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें*** *, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I*** *की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8504091672, 8233195718, 9694804063,

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न	कट ऑफ
RAS PRE. 2021	27 अक्टूबर	74 (98 MARKS)	64 (84.9 M.)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 of 200	117

FREE SAMPLE

RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 of 150	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 of 100	
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 of 160	
U.P. SI 2021	21 नवम्बर 2021	89 of 160	

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

	I[st] शिफ्ट		

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें /

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

संपर्क करें – 8233195718, 8504091672, 9694804063

• कारक

परिभाषाः- *'कारक' शब्द का शाब्दिक अर्थ होता हैं 'करनेवाला' किन्तु व्याकरण में यह एक पारिभाषिक शब्द हैं। जब किसी संज्ञा या सर्वनाम पद का सम्बन्ध वाक्य में प्रयुक्त अन्य पदों, विशेषकर क्रिया के साथ जाना जाता हैं, उसे कारक कहते हैं।*

विभक्तिः- कारक को प्रकट करने के लिए संज्ञा या सर्वनाम के साथ, जो चिन्ह लगाया जाता हैं, उसे विभक्ति कहते हैं। प्रत्येक कारक का विभक्ति चिन्ह होता है, किन्तु हर कारक के साथ विभक्ति चिन्ह का प्रयोग, हो, यह आवश्यक नही हैं।

प्रकारः- हिन्दी में कारक आठ प्रकार के होते हैं।

यथा -

1. कर्ता 2. कर्म 3. करण 4. सम्प्रदान 5. अपादान 6. सम्बन्ध 7. अधिकरण 8. सम्बोधन।

1. कर्ता कारकः (ने)

संज्ञा या सर्वनाम का वह रूप जो क्रिया (कार्य) के करने वाले का बोध कराता हैं अर्थात् क्रिया के करने वाले को कर्ता कारक कहते हैं। कर्ता कारक का विभक्ति चिन्ह 'ने' विभक्ति का प्रयोग कर्ता कारक के साथ केवल भूतकालिक क्रिया होने पर होता हैं। अतः वर्तमान काल, भविष्य काल तथा क्रिया के अकर्मक होने पर 'ने' विभक्ति का प्रयोग नहीं होगा।

जैसे अभिषेक पुस्तक पढ़ता हैं। गुंजन हँसती हैं। वर्षा गाना गाती हैं। आलोक ने पत्र लिखा।

2. कर्म कारकः (को)

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

वाक्य में जिस शब्द पर क्रिया का फल पड़ता है, उसे कर्म कारक कहते हैं । कर्म कारक का विभक्ति चिन्ह हैं 'को' । कर्मकारक शब्द सजीव हो तो उसके साथ 'को' विभक्ति लगती है, निर्जीव कर्म कारक के साथ नहीं । जैसे - राम ने रावण को मारा । नन्दू दूध पीता है।

3. करण कारकः (से)

वाक्य में कर्ता जिस साधन या माध्यम से क्रिया करता हैं अर्थात् क्रिया के साधन को करण कारक कहते हैं । करण कारक का विभक्ति चिन्ह 'से' हैं ।

जैसे- ज्योत्स्ना चाकू, से सब्जी काटती हैं । मैं पेन से लिखता हूं ।

4. सम्प्रदान कारक (के लिए, को, के वास्ते)

सम्प्रदान शब्द का अर्थ है देना । वाक्य में कर्ता जिसे कुछ देता हैं अथवा जिसके लिए क्रिया करता है, उसे सम्प्रदान कारक .....

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8504091672, 8233195718, 9694804063,

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम -

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न	कट ऑफ
RAS PRE. 2021	27 अक्टूबर	74 (98 MARKS)	64 (84.9 M.)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 of 200	117
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्टूबर (1st शिफ्ट)	79 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्टूबर (2nd शिफ्ट)	103 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्टूबर (1st शिफ्ट)	95 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्टूबर (2nd शिफ्ट)	91 of 150	

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 of 100	
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 of 160	
U.P. SI 2021	21 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	89 of 160	

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें I

संपर्क करें - 8233195718, 8504091672, 9694804063

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

AVAILABLE ON/

www.infusionnotes.com
01414045784
contact@infusionnotes.com

OTHER EDITIONS...

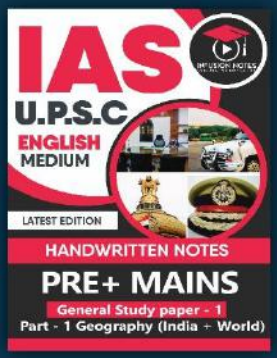

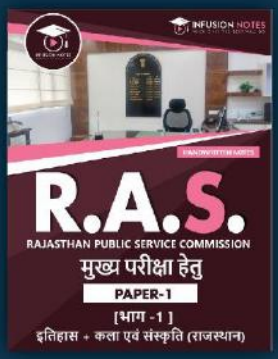

whatsapp- https://wa.link/7mh1o2 91 website- https://bit.ly/reet-level-1-notes